अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्र1. आईयूसीडी क्या है ?

उ1. आईयूसीडी या इंट्रा यूटेराइन कंट्रोसेप्टिव डिवाइस एक प्लास्टिक की बनी छोटी सी परिवार नियोजन की युक्ति है जिसकी भुजाओ पर कॉपर का तार लिपटा होता है। यह प्रशिक्षित स्वास्थ्य प्रदाता द्वारा बच्चेदानी में लगाई जाती है। यह लंबे समय तक एवं बहुत प्रभावी विधि है।

प्र2. आईयूसीडी कैसे कार्य करती है?

उ2. जब शुक्राणु (पुरूष) और अंडा (महिला) मिलते है तब निषेचन होता है। आईयूसीडी शुक्राणुओ की गति एवं कार्य को कम करती है जिससे शुक्राणु और अंडा आपस में मिल नही पाते है और निषेचन नही हो पाता है। आईयूसीडी बच्चेदानी के अंदर का परिवेश बदल कर निषेचित अंडे को जमने से भी रोकती है।

प्र3. मल्टीलोड (CuT 375) एवं कापर टी 380-A में क्या अंतर है?

उ3. कापर टी 380-A सरकारी अस्पतालो में उपलब्ध है और मल्टीलोड प्राइवेट संस्थानो में। कापर टी 380- A, 10 साल तक प्रभावी होती है जबकि मल्टीलोड (CuT 375) का प्रभाव 5 साल तक होता है। अधिक रक्तस्त्राव एवं पेट दर्द के दुषप्रभाव मल्टीलोड (CuT 375) के प्रयोग के 2 वर्ष बाद कम होते है परंतु मल्टीलोड एवं कापर टी 380-A गुणवत्ता में एक समान है।

प्र4. आईयूसीडी का उपयोग कौन सी महिलाऐं कर सकती हैं?

उ4. आईयूसीडी का उपयोग अधिकतर सभी महिलाऐं कर सकती है ।

जैसे कि जो महिलाऐं :

- लम्बे समय तक, अत्यंत प्रभावी तरीके से गर्भ ठहरने की रोकथाम करना चाहती हैं।
- अपने बच्चो में अंतर रखना चाहती हैं।
- स्तनपान करा रही हैं।
- बच्चे देर से पैदा करना चाहती हैं।
- मेडिकल संबंधी कारणों से हार्मोनल विधि जैसे गोलियां और इंजेक्शन उपयोग नहीं कर सकती हैं।
- किसी जटिलता के बिना एचआईवी पॉजिटिव हैं।
- एच0 आई0 वी0 संक्रमण के लिए एंटी रेट्रोवायरल (ए आर वी) दवायें ले रही हैं।

प्र5. किन महिलाओं को आईयूसीडी का उपयोग नहीं करना चाहिए?

उ5. निम्नलिखित महिलाओं को आईयूसीडी का उपयोग नहीं करना चाहिए :

- जो गर्भवती हो या जिन्हे गर्भ की शंका हो।
- जिनकी बच्चेदानी से बिना किसी कारण असामान्य खून का बहाव होता है या जिन्हें प्रजनन अंगों का कैंसर हैं।
- जिन महिलाओं को इस समय पेडु का संक्रमण हैं।
- जिनमें एड्स (जटिलताओं के साथ एचआईवी) है। जब तक कि अन्य कोई विधि उपलब्ध या स्वीकार्य न हो।
- जिन महिलाओं के गर्भाशय के आकार में पैदायशी विकार हो

प्र6. आईयूसीडी के साइड इफेक्ट/दुषप्रभाव क्या हैं?

उ6. कुछ महिलाओं को लंबे समय तक और अधिक माहवारी जा सकती है। माहवारी के दौरान मरोड़ या पेट में दर्द हो सकता है। दो माहवारियों के बीच थोड़ा सा खून जा सकता है। ये समस्याएं ज्यादातर 3–6 माह में ठीक हो जाती है एवं शरीर के लिए हानिकारक नही होती है।

प्र7. आईयूसीडी को कब और कैसे डाला जाना चाहिए?

उ7. जब तक आप और सेवा प्रदाता को इस बात का पूरा भरोसा है कि महिला गर्भवती नहीं हैं आईयूसीडी लगायी जा सकता है। पिछली माहवारी के 12 दिनों के अंदर आईयूसीडी को लगाया जा सकता है। आईयूसीडी शिशु जन्म के बाद 48 घंटे के अंदर भी लगायी जा सकती है।

आईयूसीडी को बच्चेदानी के अंदर एक प्रशिक्षित सेवाप्रदाता द्वारा इंसर्टर की मदद से रखा जाता है।

प्र8. आप कैसे पता लगायेगी की महिला गर्भवती नही है ?

उ8. प्रेगनेंन्सी स्क्रीनिंग चेकलिस्ट की मदद से निम्न प्रश्न पूछ कर

1. प्रसव के चार हफ्ते हुए है ?
2. छः माह से कम के शिशु को पूर्ण स्तनपान करा रही है ?
3. प्रसव के बाद या अखिरी माहवारी के बाद सेक्स नही किया है ?
4. माहवारी हुए अभी 12 दिन नही हुए ?
5. परिवार नियोजन की कोई प्रभावकारी विधि का लगातार प्रयोग कर रही है ?
6. पिछले 12 दिनो के अंदर एबोर्शन हुआ है ?

प्र9. आईयूसीडी कब और कैसे निकलवाई जा सकती है?

उ9. महिलाएं किसी भी समय किसी भी कारण से आईयूसीडी को निकलवा सकती हैं और आईयूसीडी को हमेशा एक प्रशिक्षित प्रदाता द्वारा ही निकाला जाना चाहिए। आईयूसीडी को 5–10 साल बाद अवश्य निकाला जाना चाहिए और इसकी जगह एक नई आईयूसीडी तुरंत लगाई जा सकती है या इच्छानुसार परिवार नियोजन की अन्य कोई विधि उपयोग की जा सकती है।

प्र10. आईयूसीडी लगवाने के लाभ क्या है?

उ10. आईयूसीडी लगवाने के लाभ निम्नलिखित है :

- यह तुरंत और अत्यंत प्रभावी विधि है तथा इससे 5 - 10 साल तक लंबी सुरक्षा मिलती है।
- यह स्थायी विधि के विकल्प के रूप में उपयोग की जा सकती है।
- इसे निकालने के तुरंत बाद बच्चे पैदा करने की क्षमता लौट आती है।
- इसे स्तनपान कराने वाली महिलाएं भी उपयोग कर सकती हैं।
- इसके लिए क्लिनिक में जाने की जरूरत अन्य विधियों की तुलना में कम होती है।
- कुछ याद रखने की जरूरत नही है।
- बार–बार खर्च नही होता है।
- सेक्स में कोई बाधा नही होती है।
- पूरी तरह गोपनीय है।

प्र11. आईयूसीडी लगवाने में क्या कुछ सीमाएं भी हैं?

उ11.

- आईयूसीडी लगाने और निकालने के लिए एक कुशल प्रदाता की जरूरत होती है।
- अवरोधक विधियों के समान यह एचआईवी / एड्स सहित अन्य यौन संचारित रोगों से सुरक्षा प्रदान नहीं करती है।
- आईयूडी लगवाने के लिए एक महिला को क्लीनिक/अस्पताल जाना पडता है, एवं अंदरूनी जाँच के बाद औजारों के उपयोग से आईयूडी लगवानी पडती है।
- इसके कुछ दुषप्रभाव हो सकते हैं जो साधारणतया 3–6 माह में ठीक हो जाते है।
- पेडु में संक्रमण वाली महिलाओ को नही लगाई जा सकती ।

प्र12. आई0 यू0 डी0 से होने वाली क्या जटिलताये हो सकती है?

उ12. आई0 यू0 डी0 से जटिलताये बहुत ही कम होती है।

- प्रजनन अंगो का संक्रमण
- गर्भाशय में छिद्र होना
- आई0 यू0 डी0 निकल जाना
- आई0 यू0 डी0 के साथ गर्भ ठहरना

प्र13. महिला को फॉलोअप विजिट के लिए कब जाना चाहिए?

उ13.

- आई0यू0सी0डी0 लगवाने के 3–6 हफ्ते बाद या पहली माहवारी के बाद एक बार जाँच कराये।
- समस्या होने पर या आई0 यू0 सी0 डी0 निकलवाने हेतु कभी भी आ सकती है।
- बार–बार बिना कारण जाँच की आवश्यकता नहीं।

प्र14. महिला को सेवा प्रदाता के पास कब तुरंत जांच हेतु जाना चाहिए?

उ14. महिला को बतायें कि यदि उसे निम्नलिखित में से कोई भी संकेत अनुभव होते हैं तो तुरंत क्लिनिक में अवश्य आएं।

- **P** - माहवारी चढ़ जाती है, असामान्य रूप से धब्बे पड़ना, खून का बहाव।
- **A** - यौन संपर्क के दौरान पेट में दर्द।
- **I** – संक्रमण (योनि से असामान्य बहाव/ बद्बूदार स्राव)
- **N** – अच्छा न लगना, बुखार, कंपकंपी
- **S** - धागा दिखाई नहीं देता, छोटा या लंबा।

भ्रांतियाँ / प्रश्न –

महिलाऐं आपसे निम्न शंकाओ के विषय में चर्चा कर सकती है

प्र1. क्या आईयूसीडी से बांझपन होता है?

उ1. आईयूसीडी से अपने आप में बांझपन नहीं आता है। आईयूसीडी निकालने के बाद बच्चे पैदा करने की क्षमता तुरंत वापस आ जाती है।

प्र2. क्या आईयूसीडी शरीर के अन्य भागों में जा सकती है ?

उ2. यह संभव नहीं है कि आईयूसीडी आपके शरीर के अन्य भागों में जाए, क्योंकि बच्चेदानी एक उल्टे मटके के समान होती है और उसका मुंह योनि (जन्म के रास्ते) के अलावा शरीर के अन्य भागों में नहीं खुलता है। बहुत ही कम मामलों में आईयूसीडी बच्चेदानी में छेद करके पेट में आ सकती है।

प्र3. क्या आईयूसीडी शरीर से बाहर गिर सकती है?

उ3. बहुत कम मामलों में आईयूसीडी योनि के रास्ते शरीर से बाहर निकल सकती हैं। यदि ऐसा होता है तो महिला को गर्भावस्था से सुरक्षा नहीं मिलेगी।

प्र4. क्या इसके धागे को यौन संपर्क के दौरान पुरुष द्वारा महसूस किया जा सकता है?

उ4. आम तौर पर साथी को इसके धागे का एहसास नहीं होना चाहिए। यदि साथी को इसका एहसास होता है तो महिला को सेवाप्रदाता के पास क्लिनिक में जाकर जाँच करानी चाहिये।

प्र5. यदि आईयूसीडी उपयोग करने के दौरान मुझे गर्भ ठहर जाता है तो क्या होगा?

उ5. बहुत कम महिलाएं आईयूसीडी का उपयोग करते हुए गर्भवती होती हैं। यदि किसी महिला को माहवारी कम आती है या चढ़ जाती है तो उसे तुरंत सेवा प्रदाता के पास जाना चाहिए।

- यदि महिला गर्भ जारी रखने का निर्णय लेती है तो उसे आईयूसीडी निकालने की सलाह दी जाती है।
- गर्भ के साथ आईयूसीडी निकालने पर भी महिला में गर्भपात की आशंका हो सकती है। यदि आईयूसीडी नही निकाला जाता है तो भी सेप्टिक गर्भपात या कम समय में ही प्रसव व शिशु जन्म की संभावना हो सकती है।
- यदि आईयूसीडी को नहीं निकाला जाता और गर्भ जारी रखा है तो आईयूसीडी से बच्चे को कोई नुकसान नहीं होगा।